

**HON'BLE MP BANSURI SWARAJ
FLAGS OFF TWO MOBILE MEDICAL UNITS
UNDER GAIL'S CSR INITIATIVE**

Hon'ble Member of Parliament from New Delhi, Ms. Bansuri Swaraj yesterday flagged off two Mobile Medical Units (MMUs) here under CSR Project of GAIL (India) Limited. In addition, GAIL handed over one advanced life support ambulance to AIIMS, New Delhi.

The flag-off was done by the Hon'ble MP in the presence of GAIL Director (HR) Shri Ayush Gupta, AIIMS Director Dr. M Srinivas, AIIMS Medical Superintendent Dr. Nirupam Madaan and other officials.

The MMUs are part of Project Arogya, a flagship Corporate Social Responsibility (CSR) Project of GAIL. Under this project, free primary healthcare services are provided at the door-steps of the under-privileged communities



in the area. Through the qualified medical team in the MMU, free medical services and medicines are provided to these communities who have limited access to the established Public Health Care system.

The GPS tracked MMUs shall provide medical services to about 80 patients per day. In addition to these, low-cost sanitary napkins are also distributed and basic diagnostic tests undertaken through these MMUs. These MMUs follow an ADCR Formula of Awareness, Diagnosis, Cure and Referral. Information, Education and Communication (IEC) and Behaviour Change Communication (BCC) activities are also undertaken by the team to generate awareness on health and hygiene related topics.

Noida: Retired GAIL official loses ₹1.4 crore to job fraud

HT Correspondent

htreporters@hindustantimes.com

NOIDA: A 61-year-old retired GAIL official, who resides in Noida, was duped of ₹1.49 crore by fraudsters offering part-time "review" jobs with huge incentives, said senior police officers on Friday, adding that a case of fraud was registered at the cybercrime police station against two unidentified suspects.

Police said the complainant, who did not wish to be identified, lives in Noida's Sector 62.

In his complaint to police, the retired official said, "On July 15, a woman, who identified herself as Sonakshi, an agent of a travel company, contacted me on social media and offered me a part-time job on a commission basis. The woman told me that I had to review feedback on hotels."

"Before starting the reviewing task, they asked me to deposit a refundable security. On July 22 Sonakshi told me that as it was the anniversary of their online platform, special bonuses and commissions were up for grabs, and asked me to

POLICE SAID A WOMAN ON SOCIAL MEDIA OFFERED HIM HUGE INCENTIVES FOR REVIEWING HOTELS PART-TIME

deposit a refundable amount of ₹20 lakh to get a commission of ₹16 lakh," he said.

Police said he transferred the money as urged by her. "Later, he was asked to deposit more as security and insurance. Between July 22 and August 7, he ended up depositing ₹1.49 crore," said Vijay Gautam, station house officer, cybercrime police station.

"When he did not receive any commission as promised, he realised that he had fallen into a trap," said Gautam.

Subsequently, he filed a complaint on the cybercrime portal on August 9, and after investigation, a case under sections 318(4) (cheating) and 319(2) (cheating by personation) of the Bharatiya Nyaya Sanhita was registered at the cybercrime

police station against two suspects on Wednesday, and further investigation is on to recover his money and trace the suspects.

Last week, police recovered ₹16 lakh from a 60-year-old retired bank official who had been duped out of ₹64 lakh between August 20 and October 3. The victim, residing in a high-rise in Sector 78, was lured by a fraudulent stock trading firm, said police.

According to the police, the victim initially invested ₹1 lakh after receiving a message from the firm on August 20. Over time, she was coerced into investing more to withdraw her purported profits. By October 2, she had deposited ₹63.45 lakh. The fraud came to light when she was asked to deposit ₹3 lakh more, which led her to suspect foul play, police said.

Amid rising cybercrimes, Noida cybercrime police have urged residents to remain vigilant and avoid clicking on suspicious links or investing without verification. Victims can report such incidents on cyber helpline 1930 or the National Cybercrime Reporting Portal (NCRP).

जालसाजों ने पार्ट टाइम नौकरी के बहाने पीड़ित को फंसाया

गेल के पूर्व अधिकारी से डेढ़ करोड़ रुपये एंटे



साइबर अपराध

नोएडा, वरिष्ठ संवाददाता। साइबर अपराधियों ने पार्ट टाइम नौकरी कर घर बैठे लाखों रुपये हर महीने कमाने का झांसा देकर गेल से सेवानिवृत्त चीफ जनरल मैनेजर से डेढ़ करोड़ रुपये ठग लिए। आरोपियों ने कई बार में मैनेजर से रकम ट्रांसफर करवाई। ठगी की जानकारी होने के बाद पीड़ित ने मामले की शिकायत साइबर क्राइम थाने की पुलिस से की।

सेक्टर-62 निवासी देवानंद सिंह पासवान ने पुलिस को बताया कि जुलाई में उन्हें सोनाक्षी नाम की युवती ने पोलैंड आधारित एक कंपनी में पार्ट टाइम नौकरी करने का ऑफर दिया। ट्रेवल से जुड़ी इस कंपनी में उन्हें होटल का रिब्यू करना था। शुरुआत में कुछ रुपये उन्हें दिए गए। बाद में उन्हें बताया गया कि ज्यादा कमाई के लिए उन्हें कंपनी में कुछ सिक्योरिटी फंड जमा करना होगा। साथ ही, कंपनी की वर्षगांठ के कारण उन्हें ज्यादा रिटर्न मिलने का दावा भी किया गया।

उन्होंने 20 लाख रुपये आरोपियों के खाते में ट्रांसफर किए। ठगों द्वारा डाउनलोड कराए गए ऐप और उनकी साइट पर 16 लाख रुपये का मुनाफा होता पीड़ित को दिखाया। इसके बाद देवानंद को यकीन हो गया कि वह कम रुपये निवेश कर मोटी रकम कमा सकते हैं। झांसे में आने के बाद कई बार में

हैदराबाद के 20 बैंक खातों में रकम ट्रांसफर हुई

साइबर क्राइम थाने के प्रभारी विजय कुमार गौतम ने बताया कि ठगी की रकम हैदराबाद के 20 से अधिक खातों में ट्रांसफर हुई है। संबंधित बैंकों से भी जानकारी मांगी गई है। जिन खातों में रकम ट्रांसफर हुई है, आशंका है कि वे खाते या तो किराये पर होंगे या फिर किसी श्रमिक या बेरोजगार युवक के होंगे।

पीड़ित ने जिदगीभर की जमा पूंजी गंवाई

पीड़ित ने बताया कि सेवानिवृत्त होने के बाद उन्होंने आगे की जिदगी के लिए जो भी रकम बचाई थी, वह सारी राशि ठगी में चली गई। जालसाजी के बाद काफी सदमा लगा। परिवार के सदस्य भी इसके बाद से परेशान हैं। पुलिस उन खातों की जानकारी जुटा रही है, जिनमें रकम गई।

जल्द मुनाफा कमाने के लालच में न आएँ

डीसीपी साइबर क्राइम प्रीति यादव ने बताया कि अगर कोई कम समय से रकम दोगुना करने या प्रतिमाह घर बैठे लाखों मुनाफा कमाने का झांसा दे तो उसकी बातों ने कतई न आएँ। अगर अनजान नंबर से कॉल आएँ और कॉलर लुभावने ऑफर दे तो तुरंत सतर्क हो जाएँ। किसी को अपनी रकम न दें।

उन्होंने करीब डेढ़ करोड़ रुपये ठगों द्वारा बताए गए विभिन्न खातों में ट्रांसफर कर दिए। इस पर उन्हें करोड़ रुपये का मुनाफा होना बताया गया।

देवानंद ने जरूरत पड़ने पर रकम निकालने का प्रयास किया तो रुपये नहीं निकले। कारण पूछने पर ठगों ने और निवेश करने के लिए कहा। जब देवानंद ने और रुपये देने से इनकार किया तो ठगों ने उससे पूरी तरह से संपर्क तोड़ दिया। सोनाक्षी नाम की युवती ने पीड़ित को जिस ग्रुप में जोड़ा था, उससे भी देवानंद को निकाल दिया गया।

पुलिस के मना करने के बावजूद रकम ट्रांसफर की : ठगी की आशंका होने पर पीड़ित थाने पहुंचा और पुलिस अधिकारियों को पूरी आपबीती बताई। पुलिस ने ठगों से फिर से संपर्क न करने

की हिदायत दी। ठगों के कहने पर शिकायतकर्ता एक करोड़ 16 लाख रुपये की रकम पहले ही निवेश कर चुका था। जैसे ही देवानंद थाने से बाहर निकले ठगों ने उनसे दोबारा संपर्क किया और कहा कि अगर उसने कुछ रकम और ट्रांसफर कर दी तो पूरे तीन करोड़ रुपये की रकम उन्हें मुनाफे के साथ मिलेगी।

पुलिस के मना करने के बावजूद पीड़ित फिर से झांसे में आ गया और 22 लाख और 11 लाख रुपये की रकम दो बार में ट्रांसफर कर दी। कई दिन तक पीड़ित तीन करोड़ रुपये खाते में आने का इंतजार करता रहा। इस दौरान ठगों ने उससे संपर्क तोड़ दिया। जब रकम नहीं आई तो देवानंद ने फिर से पुलिस से संपर्क किया।

गैल के पूर्व सीजीएम से 1.49 करोड़ रुपये की साइबर ठगी पार्ट टाइम जॉब के नाम पर की गई जालसाजी

नोएडा। साइबर ठगों ने गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गैल) के पूर्व चीफ जनरल मैनेजर (सीजीएम) से पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 1.49 करोड़ रुपये ठग लिए। ठगों ने पोलैंड की कंपनी के लिए रिव्यू कराने के नाम पर संपर्क किया था। इसके बाद वेबसाइट पर फर्जी तरीके से लाभ दिखाकर पैसे ऐंठ लिए। साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय गौतम ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उन खातों की जानकारी प्राप्त

कर रही है जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर की गई है।

पुलिस के अनुसार, सेक्टर-62 निवासी देवानंद सिंह पासवान कुछ माह पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। जुलाई में सोनाक्षी ने उनसे फोन पर संपर्क किया और पोलैंड की कंपनी में पार्ट टाइम जॉब ऑफर की। युवती ने बताया कि यह कंपनी ट्रेवल से जुड़ी हुई है। इससे जुड़े होटल के लिए रिव्यू करना है।

शुरुआत में रिव्यू के बाद कुछ रकम भी दी गई। ब्यूरो

गेल के पूर्व सीजीएम से 1.49 करोड़ रुपये की साइबर ठगी

पोलैंड की कंपनी में पार्ट टाइम जॉब के नाम पर की गई जालसाजी

माई सिटी रिपोर्टर

नोएडा। साइबर ठगों ने गैस अथॉरिटी ऑफ इंडिया लिमिटेड (गेल) के पूर्व चीफ जनरल मैनेजर (सीजीएम) से पार्ट टाइम जॉब के नाम पर 1.49 करोड़ रुपये ठग लिए। ठगों ने पोलैंड की कंपनी के लिए रिक्वू कराने के



25 खाते फ्रीज, अधिकतर खाते तेलंगाना के

■ साइबर क्राइम थाने की टीम को अब तक 25 खातों का पता चला है, जिनमें पैसे भेजे गए थे। सभी खाते करंट अकाउंट हैं और तेलंगाना के हैं। पुलिस ने इन्हें फ्रीज करा दिया है। हालांकि, इन खातों में 500 या 100 रुपये ही बचे हैं।

नाम पर संपर्क किया था। इसके बाद वेबसाइट पर फर्जी तरीके से लाभ दिखाकर पैसे ऐंठ लिए। साइबर थाने के प्रभारी निरीक्षक विजय गौतम ने बताया कि मुकदमा दर्ज कर लिया गया है। पुलिस उन खातों की जानकारी प्राप्त कर रही है जिनमें ठगी की रकम ट्रांसफर की गई है।

पुलिस के अनुसार, सेक्टर-62 निवासी देवानंद सिंह पासवान कुछ माह पहले ही सेवानिवृत्त हुए हैं। जुलाई में सोनाक्षी ने उनसे फोन पर संपर्क किया और पोलैंड की कंपनी में

पार्ट टाइम जॉब ऑफर की। युवती ने बताया कि यह कंपनी ट्रेवल से जुड़ी हुई है। इससे जुड़े होटल के लिए रिक्वू करना है।

शुरुआत में रिक्वू के बाद कुछ रकम भी दी गई। इसके बाद ठगों ने बताया कि कंपनी में अगर कुछ सिब्योरिटी फंड जमा करते हैं तो बहुत अधिक मुनाफा मिलेगा। इसके बाद उन्होंने लाखों रुपये आरोपियों के खाते में ट्रांसफर कर दिए। इसके बाद जालसाजों ने वेबसाइट पर 16 लाख रुपये का लाभ दिखाया।

इसके बाद कई बार में रुपये अलग-अलग खातों में जमा करा लिए गए। देवानंद को जब ठगी की आशंका हुई तो पुलिस से शिकायत की। इसके बाद पुलिस कार्रवाई में जुट गई। देवानंद जब थाने से बाहर निकले तो जालसाजों ने फिर से फोन किया और कहा कि 33 लाख रुपये देने पर तीन करोड़ रुपये मिलेंगे। ऐसे में देवानंद फिर झांसे में आ गए और 33 लाख रुपये भेज दिए। इस तरह 1.49 करोड़ रुपये की ठगी कर ली गई।